SHRI PYARELAL RAMPRASAD SHARMA

Shri Pyarelal Ramprasad Sharma, one half of the acclaimed Music Maestros, Laxmikant-Pyarelal, is considered one of the most celebrated Violin and Piano Virtuosos of Indian Film Music, besides being one of the most successful Film Music Composers and Conductors of all time.

2. Born on 3rd September, 1940, Shri Pyarelal Sharma is the son of the renowned trumpeter, Pt. Ramprasad Sharma who, along with the famous Goan violinist, Shri Anthony Gonsalves, taught him the intricacies of playing the violin.

3. Shri Pyarelal Sharma, along with Late Shri Laxmikant actively composed for over 6 decades from the 1950s to the 2000s. They composed for over 800 Hindi and regional films, giving blockbuster music in every decade. The first released movie under their music direction was 'Parasmani'. Its songs “Wo jab yaad aaye' & “Hasta hua noorani chehra” became very popular. The same was followed by songs “Chahunga mein tuje saanjh savere” and “Rahi manwa” of Rajshree Production's film “Dosti” (1964). They won their first Filmfare Best Music Director award for “Dosti”.

4. Shri Pyarelal Sharma along with Late Shri Laxmikant gave a large number of musically hit films such as Milan, Shagird, Intaquam, Do Raaste, Jeene ki Raah, Shor, Bobby, Roti Kapda aur Makaan, Satyam Shivam Sundaram, Amar Akbar Anthony, Sargam, Karz, Ek Duje ke liye, Tezaab, Utsav etc. The legendary singers Lata Mangeshkar and Mohammed Rafi sang the maximum songs in their career for them, namely 712 and 379 respectively, and Kishore Kumar and Asha Bhosle sang the second highest member of songs for any composer, 402 and 494 respectively. They composed with other leading singers like Mukesh, Manna Dey and Mahendra Kapoor and also with present singers like Alka Yagnik, Udit Narayan, K.J. Yesudas, S.P Balasubrahmaniyam, Anuradha Paudwal etc. Their association with the famous lyricist Anand Bakshi in more than 250 movies resulted in some of the most popular songs of the Hindi Cinema.

5. Shri Pyarelal Sharma, at the age of 84, is still as relevant and prolific as ever-the ultimate youth icon. Besides his numerous mega-blockbuster stage shows around the world, he composed a Symphony, 'Om Shivam' #1 and #2 which was performed by world class musicians of MDR Classic in Leipzig, Germany on 4th June, 2016.

6. Shri Pyarelal Sharma, along with Late Laxmikant won 7 Filmfare awards for Best Music for the film Dosti, Milan, Jeene ki Raah, Amar Akbar Anthony, Satyam Shivam Sundaram, Sargam, Karz, third highest ever, and highest ever 25 nominations. They won 4 Filmfare Awards in a row at the height of their glory for Amar Akbar Anthony, Satyam Shivam Sundaram, Sargam, and Karz.

श्री प्यारेलाल रामप्रसाद शर्मा

मशहूर संगीतकार लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल की जोड़ी में से एक श्री प्यारेलाल रामप्रसाद शर्मा को भारतीय फिल्म संगीत के सबसे प्रसिद्ध वायलिन और पियानो वादकों में से एक माना जाता है, इसके अलावा वह फिल्मी दुनिया के सबसे कामयाब फिल्म संगीतकारों और निर्देशकों में से एक हैं।

2. 3 सितम्बर, 1940 को जन्मे श्री प्यारेलाल शर्मा प्रसिद्ध ट्रंपेट वादक पंडित रामप्रसाद शर्मा के सुपुत्र हैं, जिन्होंने गोवा के प्रसिद्ध वायलिन वादक श्री एंथोनी गोंसाल्वेस के साथ उन्हें वायलिन वादन की बारीकियां सिखाईं।

3. श्री प्यारेलाल शर्मा ने स्वर्गीय श्री लक्ष्मीकांत के साथ मिलकर 1950 के दशक से 2000 के दशक तक, 6 दशकों से अधिक समय तक सक्रिय रूप से संगीत दिया। उन्होंने 800 से अधिक हिंदी और क्षेत्रीय फिल्मों के लिए संगीत निर्देशन किया और हर दशक में ब्लॉकबस्टर संगीत दिया। उनके संगीत निर्देशन में पहली रिलीज फिल्म 'पारसमणि' थी। इसके गाने "वो जब याद आये'' और "हंसता हुआ नूरानी चेहरा" बहुत लोकप्रिय हुए। इसके बाद राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म "दोस्ती" (1964) के गाने "चाहूंगा मैं तुझे सांझ सवेरे" और "राही मनवा" भी इसी राह पर चले। इस जोड़ी ने "दोस्ती" के लिए अपना पहला फ़िल्मफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का पुरस्कार जीता।

4. स्वर्गीय श्री लक्ष्मीकांत के साथ श्री प्यारेलाल शर्मा ने बड़ी तादाद में हिट संगीत वाली फिल्में दीं, जैसे मिलन, शागिर्द, इंतकाम, दो रास्ते, जीने की राह, शोर, बॉबी, रोटी कपड़ा और मकान, सत्यम् शिवम् सुंदरम, अमर अकबर एंथोनी, सरगम, कर्ज़, एक दूजे के लिए, तेज़ाब, उत्सव आदि। दिग्गज गायिका लता मंगेशकर और मोहम्मद रफ़ी ने अपने करियर में सबसे अधिक गाने, क्रमशः 712 और 379 उनके लिए गाए और किशोर कुमार तथा आशा भोसले ने क्रमशः 402 और 494 गाने उनके लिए गाए जो किसी भी संगीतकार के लिए गाए गानों में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने मुकेश, मन्ना डे और महेंद्र कपूर जैसे दूसरे प्रमुख गायकों और अलका याग्निक, उदित नारायण, के.जे.येसुदास, एसपी बालासुब्रमण्यम, अनुराधा पौडवाल आदि जैसे आज के गायक–गायिकाओं के साथ भी संगीत दिया। 250 से अधिक फिल्मों में प्रसिद्ध गीतकार आनंद बख्शी के साथ मिलकर उन्होंने हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे लोकप्रिय गाने दिए।

5. 84 वर्ष की आयु में श्री प्यारेलाल शर्मा सर्वेश्रेष्ठ युवा आइकन की तरह अब भी पहले की तरह प्रासंगिक और ऊर्जावान हैं। दुनिया भर में अपने कई मेगा–ब्लॉकबस्टर स्टेज शो के अलावा, उन्होंने एक सिम्फनी, 'ओम शिवम' #1 और #2 का संगीत दिया, जिसे 4 जून 2016 को जर्मनी के लीपज़िग में एमडीआर क्लासिक के विश्व स्तरीय संगीतकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

6. श्री प्यारेलाल शर्मा ने स्वर्गीय लक्ष्मीकांत के साथ फिल्म दोस्ती, मिलन, जीने की राह, अमर अकबर एंथनी, सत्यम शिवम सुंदरम, सरगम, कर्ज़ के लिए अब तक का तीसरा सबसे अधिक सर्वश्रेष्ठ संगीत के लिए 7 फिल्मफेयर पुरस्कार जीते और सबसे अधिक 25 बार नामांकित हुए। उन्होंने अपनी प्रसिद्धि के चरम पर अमर अकबर एंथनी, सत्यम शिवम सुंदरम, सरगम और कर्ज़ के लिए लगातार फिल्मफेयर पुरस्कार जीते।